

के चित्र है अर्थात् जब मानव-व्यवहार संशोधित हो रहा है तो वह सामाजिक परिवर्तन का संकेत है।  
SC-102, Dr. S.B. Chaudhary Date-27-04-2020  
Page ①

TOPIC-

सामाजिक परिवर्तन की धारणा  
(Concept of Social Change)

सामाजिक परिवर्तन की प्रकृति तथा स्वरूप के विषय में मतभेद है। इस सम्बन्ध में हम ब्राउन (Brown), चौपिन (Chopin), स्पेन्सर (Spencer), लिस्टर वार्ड (Lester Ward) तथा ऑगबर्ग (Ogburn) आदि प्रसिद्ध समाज-शास्त्रियों के विचारों पर निम्नलिखित पंक्तियों में प्रकाश डाल रहे हैं—

(1) ब्राउन के अनुसार सामाजिक परिवर्तन तथा सांस्कृतिक परिवर्तनों में कोई अन्तर नहीं है। उसका विश्वास है कि सांस्कृतिक परिवर्तन सामाजिक परिवर्तन का ही महत्वपूर्ण अंश है।

(2) चौपिन ने सांस्कृतिक परिवर्तन को तीन भागों में विभाजित किया है—

(1) वे परिवर्तन जो भौतिक संस्कृति (Material Culture) से सम्बन्धित हैं

(2) वे परिवर्तन जो अधौतिक संस्कृति (Non-Material Culture) से सम्बन्धित हैं

तथा (3) वे परिवर्तन जो संयुक्त संस्कृति (Composite Culture) से सम्बन्धित हैं

सांस्कृतिक परिवर्तन के उक्त तीनों भागों के क्रमानुसार उदाहरण हैं—सामाजिक आदर्श तथा शासन के रूप एवं संगठन।

(3) स्पेन्सर के अनुसार सामाजिक परिवर्तन तथा सामाजिक उद्विग्नता (Social Revolution) एक ही वस्तु है। उसने बताया कि सामाजिक परिवर्तन क्रमिक (Gradual) तथा प्रगतिशील (Progressive) होते हैं। स्पेन्सर का मत है कि सामाजिक परिवर्तन

क्रमिक (Gradual) तथा प्रगतिशील (Progressive) होते हैं। स्पेन्सर का मत है कि सामाजिक परिवर्तन